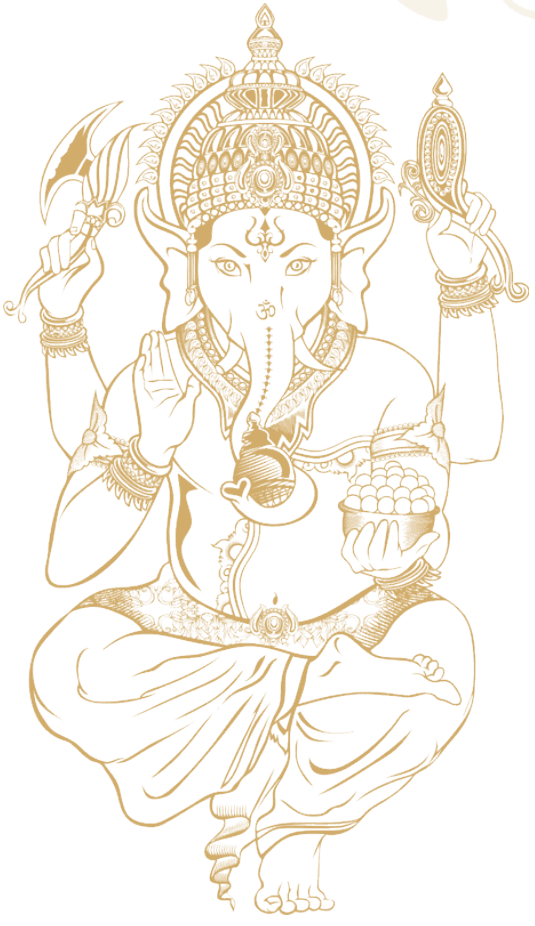

siddhartha srivastava

janhvi srivastava

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121699907

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/07/1991	जन्म तिथि	27/10/1997
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 13:37:00	जन्म समय	08:38:00 घंटे
घटी 20:28:55	जन्म समय(घटी)	06:02:32 घटी
India	देश	India
Lucknow	स्थान	Gorakhpur
26:50:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
80:54:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:06:24	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:25:26	सूर्योदय	06:02:57
18:59:48	सूर्यास्त	17:17:35
23:44:38	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:31

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 16वर्ष 4मा 27दि		22:15:56	तुला	लग्न	वृश्चि	12:33:51	शुक्र 5वर्ष 7मा 2दि	
शुक्र		05:17:56	कर्क	सूर्य	तुला	09:54:31	मंगल	
18/12/2014		17:07:49	वृश्चि	चंद्र	सिंह	22:56:26	30/05/2019	
18/12/2034		10:27:16	सिंह	मंगल	वृश्चि	26:25:22	30/05/2026	
शुक्र	19/04/2018	02:08:35	सिंह	बुध	तुला	18:26:18	मंगल	26/10/2019
सूर्य	19/04/2019	25:00:22	कर्क	गुरु	मक	18:51:20	राहु	13/11/2020
चन्द्र	18/12/2020	11:44:48	सिंह	शुक्र	वृश्चि	26:37:51	गुरु	20/10/2021
मंगल	17/02/2022	10:06:40	मक व	शनि व	मीन	21:46:44	शनि	29/11/2022
राहु	17/02/2025	25:12:28	धनु	राहु	सिंह	25:13:23	बुध	26/11/2023
गुरु	19/10/2027	25:12:28	मिथु	केतु	कुंभ	25:13:23	केतु	23/04/2024
शनि	18/12/2030	17:22:15	धनु व	हर्ष	मक	10:58:47	शुक्र	23/06/2025
बुध	18/10/2033	21:15:15	धनु व	नेप	मक	03:26:45	सूर्य	29/10/2025
केतु	18/12/2034	23:49:55	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	10:26:53	चन्द्र	30/05/2026

लग्न-चलित

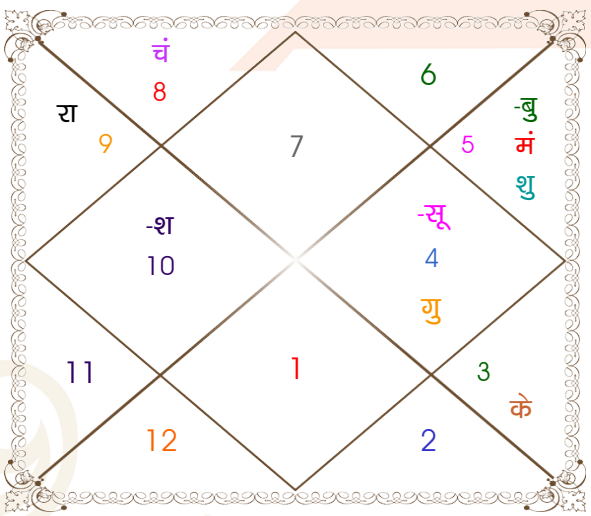

लग्न-चलित

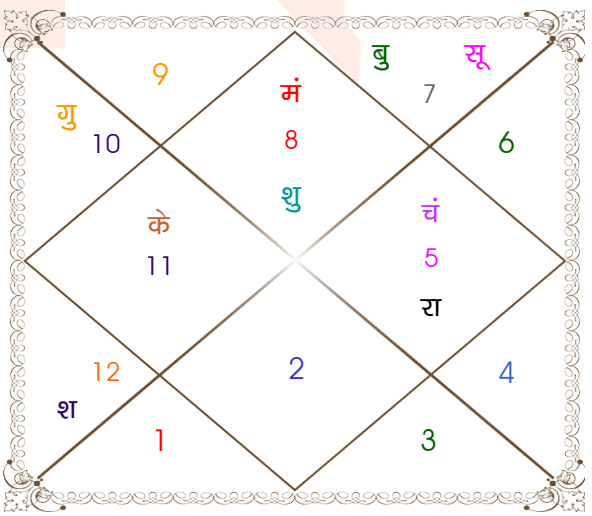

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

`पककींतर्जी`तपअेंजंअं का वर्ग सर्प है तथा रंदीअप`तपअेंजंअं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार`पककींतर्जी`तपअेंजंअं और रंदीअप`तपअेंजंअं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

`पककींतर्जी`तपअेंजंअं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

रंदीअप`तपअेंजंअं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल रंदीअप`तपअेंजंअं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु `पककीतर्जी `तपअेंजंअं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

`पककीतर्जी `तपअेंजंअं तथा रंदीअप `तपअेंजंअं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।